

प्रेषक,

शत्रुघ्न सिंह,  
मुख्य सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

1. समस्त अपर मुख्य सचिव,
2. समस्त प्रमुख सचिव,
3. समस्त सचिव/प्रभारी सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।
4. समस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।

वित्त(वे0आ0-सा0नि0) अनुभाग-7

देहरादून: दिनांक: 15 फरवरी, 2016

विषय: उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमवली, 2008 (समय-समय पर यथासंशोधित) में उल्लिखित प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किये जाने विषयक।

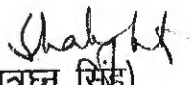
महोदय,

शासन के संज्ञान में लाया गया है कि कतिपय विभागों/कार्यदायी संस्थाओं द्वारा, जो राज्य सरकार की निधि से निर्माण/विकास कार्यों को सम्पादित कर रहे हैं, द्वारा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमवली, 2008 (समय-समय पर यथासंशोधित) में निहित प्राविधानों का पूर्णतः अनुपालन नहीं किया जा रहा है।

2- उक्त के क्रम में मुझसे यह कहने की अपेक्षा की गयी है कि सामग्री कय करने/निविदारों आमंत्रण/निर्माण/विकास कार्यों के निष्पादन एवं विभिन्न प्रकार के परामर्शीय कार्यों के निस्तारण के सम्बन्ध में उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमवली, 2008 (समय-समय पर यथासंशोधित) में निहित नियमों/प्राविधानों/प्रक्रियाओं का पालन पूर्णतः सुनिश्चित किया जाय तथा उक्त निर्देशों से अपने अधीन गठित कार्यदायी संस्थाओं को भी तदनुसार निर्देशित किया जाय।

3- प्रत्येक प्रशासकीय विभाग का यह दायित्व है कि वे वित्तीय नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें। वित्तीय नियमों में उल्लिखित प्रक्रिया से इतर की गयी कार्यवाही वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में मानी जायेगी जिसके लिए सम्बन्धित अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होंगे।

भवदीय,

  
(शत्रुघ्न सिंह)  
मुख्य सचिव।